ओ भक्तो कावड़ उठा कर चलो बाबा के द्वार

ओ भक्तो कावड़ उठा कर चलो बाबा के द्वार,
बाबा धाम में यहाँ लगा शिव दरबार,

सुलतान गंज जल भर के बाबा के धाम नंगे पावे चल के,
बाबा वेद नाथ की महिमा बड़ी दर्शन को भगतो की टोली चल पड़ी,
चारो दिशाओ में गूंजे बोल बम की जयकार,
बाबा धाम में यहाँ लगा शिव दरबार,

सावन महीना है बाबा का आया पर्वतो के बीच में डेरा लगाया,
संदेसा है भक्तो को बाबा का आया बाबा वेद नाथ ने हम को भुलाया,
बड़ा ही पवन बाबा का धाम है सब के लवो पे भोले का नाम है,
जटा धारी सुनो गंगा धारी सुनो सब की सुनता है तू अब हमारी भी सुनो,
ओ सब की सुनते हो बाबा सुन लो मधुर की पुकार,
बाबा धाम में यहाँ लगा शिव दरबार,

शिव कर सा दानी नहीं कोई उनके जैसा सानी नहीं कोई
जटाओ में भोले के गंगा सोहे,
डम डम डमरू से मन मोहे,
मिलने आते है बाबा हो के नंदी सवार,
बाबा धाम में यहाँ लगा शिव दरबार,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11758/title/o-bhakto-kawad-utha-kar-chlo-baba-ke-dwar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |